

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 185]

नवा रायपुर, बुधवार, दिनांक 15 अप्रैल 2026 — चैत्र 25, शक 1948

विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 15 अप्रैल 2026

क्रमांक 799/डी. 53/21-अ/प्रारू./छ.ग./26— छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 06-04-2026 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्र कुमार कश्यप, अतिरिक्त सचिव.

छत्तीसगढ़ अधिनियम

(क्रमांक 5 सन् 2026)

छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026.

विषय सूची

अध्याय—एक

प्रारंभिक

धाराएं

1. संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार और प्रारंभ.
2. परिभाषाएँ.

अध्याय—दो

उद्देश्य एवं लक्ष्य

3. उद्देश्य.

अध्याय—तीन

मण्डल की स्थापना एवं गठन

4. मण्डल की स्थापना.
5. मण्डल का गठन.
6. मण्डल के सचिव की नियुक्ति, कार्यकाल एवं कर्तव्य.
7. मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारी.

अध्याय—चार

मण्डल की शक्तियाँ तथा कृत्य

8. मण्डल की शक्तियाँ एवं कृत्य.
9. अध्यक्ष की शक्तियाँ एवं कर्तव्य.
10. समितियों का गठन.
11. समितियों द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग.

अध्याय—पाँच
वित्त, लेखा एवं लेखा परीक्षण

12. मण्डल निधि का गठन.
13. मण्डल निधि का अभिरक्षण, विनियोजन एवं उपयोग.
14. बजट.
15. मण्डल के लेखाओं की लेखा परीक्षा.

अध्याय—छः
राज्य सरकार

16. राज्य सरकार की शक्तियाँ.

अध्याय—सात
प्रकीर्ण

17. रिक्तियों के कारण कार्यवाही का अविधिमान्य न होना.
18. मण्डल की विनियम बनाने की शक्ति.
19. कठिनाईयों को दूर करने की शक्ति.
20. सद्भावनापूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण.
21. अन्य विधियों पर अधिनियम का अधिभावी होना.
22. व्यावृत्ति.

छत्तीसगढ़ अधिनियम
(क्रमांक 5 सन् 2026)
छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026.

तकनीकी और गैर-तकनीकी तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया में एकरूपता लाने, अन्य परीक्षाओं, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, प्रवेश परीक्षाओं, और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल का गठन करने हेतु अधिनियम।

भारत गणराज्य के सतहत्तरवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में अधिनियमित हो:-

अध्याय-एक
प्रारंभिक

1. (1) यह अधिनियम छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 कहलाएगा। संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारंभ.
- (2) इसका विस्तार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य पर होगा।
- (3) यह ऐसी तारीख को प्रवृत्त होगा, जिसे राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।
2. इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,- परिभाषाएँ.
 - (क) "नियुक्ति प्राधिकारी" से अभिप्रेत है, वह प्राधिकारी, जिसे विद्यमान कानूनों, सेवा नियमों या कार्यकारी आदेशों के अंतर्गत नियुक्ति हेतु सशक्त किया गया हो;
 - (ख) "मण्डल" से अभिप्रेत है, धारा 4 के अंतर्गत स्थापित छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल;
 - (ग) "अध्यक्ष" से अभिप्रेत है, इस अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (2) के खण्ड (क) के अधीन मण्डल के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया व्यक्ति;
 - (घ) "तृतीय श्रेणी पद" से अभिप्रेत ऐसी योग्यता वाले पदों से है, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी पदों के

रूप में अधिसूचित किया गया हो;

- (ड) "चतुर्थ श्रेणी पद" से अभिप्रेत ऐसी योग्यता वाले पदों से है, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा चतुर्थ श्रेणी पदों के रूप में अधिसूचित किया गया हो;
- (च) "संयुक्त चयन प्रक्रिया" से अभिप्रेत है, एक से अधिक विभाग हेतु तृतीय श्रेणी या चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए चयन प्रक्रिया;
- (छ) "विभाग" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ शासन के अधीन प्रशासनिक विभाग;
- (ज) "कर्मचारी" से अभिप्रेत है, मण्डल की सहायता के लिए नियुक्त कार्मिक;
- (झ) "सरकार" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ सरकार;
- (ञ) "राज्यपाल" से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल;
- (ट) "सदस्य" से अभिप्रेत है, इस अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (3) के अधीन मण्डल के सदस्य के रूप में नियुक्त व्यक्ति;
- (ठ) "अन्य पिछड़ा वर्ग" से अभिप्रेत है, ऐसे वर्ग, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना क्रमांक F-85-XXV-4-84, दिनांक 26 दिसम्बर, 1984 के द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया गया हो;
- (ड) "विहित" से अभिप्रेत है, इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित;
- (ढ) "भर्ती नियम" से अभिप्रेत है, संविधान के अनुच्छेद 309 के परंतुक के अधीन बनाए गए नियम, जो भर्ती तथा सेवा की शर्तों को विनियमित करते हैं।
- (ण) "विनियम" से अभिप्रेत है, अधिनियम के अंतर्गत मण्डल द्वारा बनाये गये विनियम"
- (त) "अनुसूचित जातियों" तथा "अनुसूचित जनजातियों" का वही अर्थ होगा, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 341 एवं 342 के अधीन है;

अध्याय-दो

उद्देश्य एवं लक्ष्य

- | | | | |
|-----------|------------|---|------------------|
| 3. | (1) | इस अधिनियम के प्रावधान राज्य सरकार के समस्त विभागों के लिए धारा 2 के खंड (घ) एवं (ङ) के अंतर्गत अधिसूचित तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के समस्त पदों पर सीधी भर्ती की चयन प्रक्रिया पर लागू होंगे, जिनमें वैधानिक निकाय, मण्डल, प्राधिकरण अथवा ऐसे अन्य संस्थान भी सम्मिलित होंगे, जिन्हें राज्य सरकार समय-समय पर अधिसूचित करे। | उद्देश्य. |
| | (2) | मण्डल, तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन करेगा, जिसमें परीक्षा, साक्षात्कार, कौशल परीक्षण अथवा कोई अन्य प्रक्रिया शामिल है तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश, व्यावसायिक योग्यता की प्राप्ति तथा किसी अन्य परीक्षा, जैसा कि राज्य शासन द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाए, का संचालन भी करेगा। | |
| | (3) | सरकार, ऐसे विभागों के लिए किन्हीं तृतीय श्रेणी या चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए संयुक्त चयन प्रक्रिया विहित कर सकेगी। | |
| | (4) | सरकार, संयुक्त चयन प्रक्रिया हेतु तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए अर्हताएं अधिसूचित कर सकेगी और अधिसूचना पर ऐसे तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए भर्ती नियम, तदनुसार संशोधित माने जाएंगे। | |

अध्याय-तीन

मण्डल की स्थापना एवं गठन

- | | | | |
|-----------|------------|--|--------------------------|
| 4. | | सरकार, अधिसूचना द्वारा, ऐसी तारीख से, जैसा कि अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल के नाम से एक मण्डल की स्थापना करेगी। | मण्डल की स्थापना. |
| 5. | (1) | सरकार, अधिसूचना द्वारा, धारा 4 के अंतर्गत स्थापित मण्डल का गठन करेगी, जो इस अधिनियम के अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा तथा सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करेगा। | मण्डल का गठन. |

- (2) मण्डल निम्नलिखित से मिलकर बनेगा—
- (क) एक अध्यक्ष, जो छत्तीसगढ़ शासन का ऐसा अधिकारी होगा, जिसका पद शासन के प्रमुख सचिव से निम्न श्रेणी का नहीं होगा; तथा
- (ख) तीन से अनधिक सदस्य, जो छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त सचिव के वेतनमान में कार्यरत अधिकारी हों।
- (3) अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा ऐसी रीति से की जाएगी, जैसा कि विहित किया जाए।
6. (1) राज्य सरकार, छत्तीसगढ़ शासन के किसी ऐसे अधिकारी को, जिसका वेतनमान उप सचिव से कम का न हो, मण्डल का सचिव नियुक्त करेगी।
- (2) सचिव—
- (क) मण्डल का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी होगा;
- (ख) अध्यक्ष के निर्देशानुसार मण्डल की बैठकों का आयोजन करेगा;
- (ग) कार्यसूची तैयार करेगा तथा कार्यवाहियों की कार्यवृत्त (मिनट्स) अभिलिखित करेगा;
- (घ) मण्डल के आदेशों एवं निर्णयों की निगरानी करेगा;
- (ङ) ऐसे अन्य कार्यों, जो मण्डल द्वारा सौंपे जाएं, का निर्वहन करेगा;
- (च) यह सुनिश्चित करेगा कि मण्डल की समस्त निधियों, केवल उन्हीं प्रयोजनों के लिए व्यय की जाएं, जिनके लिए उन्हें स्वीकृत या आबंटित किया गया है।
7. (1) मण्डल में एक परीक्षा नियंत्रक तथा ऐसी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी होंगे, जैसा कि सरकार द्वारा निर्धारित की जाए।
- (2) परीक्षा नियंत्रक, अध्यक्ष के सामान्य पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण के अधीन रहते हुए, मण्डल द्वारा उसे सौंपे गए ऐसे कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।
- मण्डल के सचिव की नियुक्ति, कार्यकाल एवं कर्तव्य.
- मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारी.

- (3) परीक्षा नियंत्रक, ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा तथा ऐसे अन्य कार्यों का निर्वहन करेगा, जैसा कि विनियमों द्वारा विहित किया जाए।
- (4) विद्यमान छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के अधीन या उसके नियंत्रण में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारी माने जाएंगे।

अध्याय-चार मण्डल की शक्तियाँ एवं कृत्य

8. (1) इस अधिनियम के प्रावधानों के अधीन रहते हुए तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी—

मण्डल की शक्तियाँ एवं
कृत्य.

- (क) मण्डल, इस अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) में सौंपे गए कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।
- (ख) मण्डल, इस अधिनियम के अधीन बनाए गए विनियमों के अनुसार, संपूर्ण या चयन प्रक्रिया के किसी भाग के संचालन का दायित्व मण्डल द्वारा अनुशंसित किसी एजेंसी को सौंप सकता है।
- (2) मण्डल, अपने कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए आवश्यक समझे जाने पर, किसी भी नियुक्ति प्राधिकारी या विभाग से कोई अभिलेख, प्रतिवेदन या जानकारी मांग सकता है तथा संबंधित नियुक्ति प्राधिकारी या विभाग, उसे यथाशीघ्र मण्डल को उपलब्ध कराएगा।
- (3) मण्डल के कार्यों के लेन-देन की प्रक्रिया ऐसी होगी, जैसा कि इस अधिनियम के उपबंधों तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुरूप, विनियमों द्वारा विहित किया जाए:

परंतु, इस अधिनियम के प्रारंभ होने से ठीक पूर्व छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल में प्रवर्तित विनियम, जब तक कि वे इस अधिनियम के उपबंधों के प्रतिकूल न हों, तब तक मण्डल के विनियम माने जाएंगे, जब तक कि उन्हें इस अधिनियम के अधीन बनाए गए विनियमों द्वारा संशोधित, परिवर्तित या प्रतिस्थापित नहीं कर दिया जाता।

- (4) मण्डल को, परीक्षा प्रक्रिया में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर समग्र पर्यवेक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण का अधिकार होगा।
- (5) परीक्षा प्रक्रिया में संलग्न सभी कार्मिकगण पर भी मण्डल का समग्र पर्यवेक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण होगा।
9. (1) अध्यक्ष का कर्तव्य होगा कि वह इस अधिनियम के उपबंधों तथा इसके अधीन बनाए गए विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करे।
- (2) अध्यक्ष, ऐसी अन्य शक्तियों का प्रयोग करेगा तथा ऐसे अन्य कर्तव्यों का निर्वहन करेगा, जैसा कि विनियमों के माध्यम से उसमें निहित किए जाएँ।
- (3) अध्यक्ष, आदेश द्वारा, इस अधिनियम के अंतर्गत उसे प्रदत्त किसी भी शक्ति या कर्तव्य को परीक्षा नियंत्रक को, प्रत्यायोजित कर सकता है।
10. मण्डल अपने कार्यों के निर्वहन में सहायता और सलाह देने के लिए विनियमों के द्वारा विहित किए गये अनुसार अपने सदस्यों, अधिकारियों तथा अन्य व्यक्तियों को सम्मिलित करते हुए समितियों का गठन कर सकेगा और विशेष रूप से निम्नलिखित समितियों का गठन करेगा—
- (क) पाठ्यक्रम समिति;
- (ख) परीक्षा समिति;
- (ग) वित्त समिति;
- (घ) कार्यकारी समिति।
11. (1) जहाँ इस अधिनियम के अंतर्गत मण्डल को प्रदत्त कोई शक्ति, विनियमों द्वारा धारा 10 के अधीन गठित किसी समिति को प्रत्यायोजित की गई हो, वहाँ ऐसी समिति इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसार ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगी।
- (2) मण्डल, ऐसी प्रत्यायोजित शक्तियों के अंतर्गत आने वाले किसी भी विषय की समीक्षा कर सकेगा तथा उस पर कोई निर्णय लेने से पूर्व, संबंधित समिति की रिपोर्ट प्राप्त करेगा तथा उस पर विचार करेगा:
- अध्यक्ष की शक्तियाँ एवं कर्तव्य.
- समितियों का गठन.
- समितियों द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग.

परंतु, जहाँ मण्डल की राय में, किसी ऐसे विषय के संबंध में तत्काल कार्यवाही आवश्यक हो, तो मण्डल, समिति की रिपोर्ट प्राप्त किए बिना ही कार्यवाही कर सकेगा तथा उस पर ऐसे आदेश परित कर सकेगा, जैसा कि आवश्यक समझा जाए।

अध्याय-पाँच वित्त, लेखा एवं लेखा परीक्षण

- | | | |
|---------|---|---|
| 12. | मण्डल के लिए "मण्डल निधि" नाम से एक निधि का गठन किया जाएगा और इस अधिनियम के अधीन अथवा अन्यथा मण्डल द्वारा या मण्डल की ओर से प्राप्त समस्त धनराशि उसमें जमा की जाएंगी। | मण्डल निधि का गठन. |
| 13. (1) | सरकार, कार्यालय व्यय, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन एवं भत्तों तथा भर्ती प्रक्रिया के संचालन के दौरान होने वाले व्ययों की पूर्ति के लिए मण्डल को आवश्यकतानुसार निधि उपलब्ध कराएगी। | मण्डल निधि का अभिरक्षण, विनियोजन एवं उपयोग. |
| (2) | मण्डल का सचिव, आहरण एवं संवितरण अधिकारी होगा। | |
| (3) | मण्डल निधि में जमा की गई समस्त धनराशि ऐसे बैंक में जमा की जाएगी, जैसा कि मण्डल द्वारा निर्धारित किया जाए। | |
| (4) | मण्डल, इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित मण्डल निधि का उपयोग कर सकेगा। | |
| 14. | मण्डल, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए मण्डल की अनुमानित प्राप्तियों एवं व्ययों को दर्शाते हुए एक बजट तैयार करेगा। | बजट. |
| 15. | मण्डल के लेखों का प्रतिवर्ष विहित रीति से लेखा परीक्षण किया जायेगा। | मण्डल के लेखों का लेखा परीक्षण. |

16. (1) राज्य सरकार, समय-समय पर ऐसे निर्देश जारी कर सकती है, जिन्हें वह इस अधिनियम के प्रावधानों और उद्देश्यों के उचित क्रियान्वयन के लिए आवश्यक या समीचीन समझे और मण्डल को ऐसे निर्देशों का पालन करना होगा।
- (2) सरकार, इस अधिनियम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए नियम बना सकती है।
- (3) उपर्युक्त शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे नियम निम्नलिखित सभी या किसी भी विषय के लिए प्रावधान कर सकते हैं:—
- (क) धारा 3 की उप-धारा (3) के संदर्भ में चयन प्रक्रिया, जिसमें संयुक्त चयन प्रक्रिया भी सम्मिलित है, किए जाने की रीति।
- (ख) धारा 15 के अंतर्गत मण्डल के लेखा परीक्षण किए जाने की रीति।
- (ग) कोई अन्य विषय, जिसे सरकार आवश्यक समझे।
- (4) इस अधिनियम के अंतर्गत बनाये गये सभी नियम राज्य विधानसभा के पटल पर यथासंभव शीघ्र रखे जाएंगे।

राज्य सरकार की शक्तियाँ.

अध्याय-सात प्रकीर्ण

17. मण्डल, अथवा धारा 10 के अधीन गठित किसी समिति का कोई कार्य या कार्यवाही केवल इस कारण से अवैध नहीं मानी जाएगी कि अध्यक्ष या किसी अन्य सदस्य का पद रिक्त है।
18. (1) मण्डल इस अधिनियम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, इस अधिनियम के प्रावधानों तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुरूप, विनियम बना सकेगा।
- (2) उपर्युक्त शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मण्डल निम्नलिखित समस्त विषयों या उनमें से किसी एक विषय के संबंध में, विनियम बना सकेगा, अर्थात्:—
- (क) परीक्षाओं का संचालन।
- (ख) मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में प्रवेश हेतु

रिक्तियों के कारण कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना.

मण्डल की विनियम बनाने की शक्ति.

शुल्क।

- (ग) मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं के परिणामों का प्रकाशन।
- (घ) मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों को अंकसूची, प्रमाण-पत्र इत्यादि जारी करना।
- (ङ) ऐसे मामलों में आवश्यक कार्यवाही करना, जहाँ अभ्यर्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करें अथवा मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में व्यवधान उत्पन्न करे।
- (च) विभिन्न कार्यों के लिए विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति, उनके कर्तव्यों एवं शक्तियों का निर्धारण तथा उनकी नियुक्ति का समापन।
- (छ) खंड (च) में निर्दिष्ट व्यक्तियों को देय मानदेय या पारिश्रमिक का निर्धारण।
- (ज) परीक्षाओं एवं उनसे संबंधित गतिविधियों के लिए मानकों तथा व्ययों का निर्धारण।
- (झ) मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं से संबंधित सांख्यिकी तैयार करना।
- (ञ) मण्डल के अधिकारियों, लिपिकों एवं अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति तथा उनकी सेवा शर्तों का निर्धारण।
- (ट) मण्डल के सभी वित्तीय मामलों का नियंत्रण, प्रशासन, अभिरक्षण एवं प्रबंधन।
- (ठ) राज्य सरकार के निर्देशानुसार निर्दिष्ट व्यवसायों में कौशल परीक्षण आयोजित करना तथा प्रमाण-पत्र जारी करना।
- (ड) ऐसे समस्त विषय, जो इस अधिनियम या विनियमों द्वारा विहित किए गए हों।

19.

यदि इस अधिनियम के उपबंधों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो सामान्य प्रशासन विभाग, आदेश द्वारा, कठिनाई को दूर करने के लिए ऐसे उपाय कर सकेगा, परंतु ऐसे उपाय इस अधिनियम के उपबंधों के असंगत न हों:

परंतु, इस अधिनियम के प्रारंभ होने से दो वर्ष की अवधि समाप्त होने के पश्चात् ऐसा कोई आदेश नहीं

कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति.

किया जाएगा।

- 20.** यदि राज्य सरकार संतुष्ट है कि इस अधिनियम अथवा इसके अधीन बनाए गए किन्हीं नियमों या आदेशों के अनुसरण में सद्भावपूर्वक कोई कार्य किया गया है या किये जाने के लिए आशयित है, तो उस संबंध में राज्य सरकार, मण्डल के अध्यक्ष या सदस्य अथवा इस अधिनियम के अधीन नियुक्त किसी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कोई वाद, अभियोजन या अन्य विधिक कार्यवाही नहीं की जाएगी।
- 21.** इस अधिनियम के उपबंधों का अधिभावी प्रभाव राज्य में तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में अंतर्विष्ट किसी भी असंगत बात के होते हुए भी होगा।
- 22. (1)** इस अधिनियम के प्रारंभ होने पर, उस समय अस्तित्व में विद्यमान छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल में विलयित माना जाएगा तथा एक पृथक इकाई के रूप में अस्तित्व में नहीं रहेगा; तथा तदनुसार, उक्त मंडल की समस्त परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल में निहित हो जाएँगी।
- (2)** इस अधिनियम में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, इस अधिनियम के प्रारंभ से पूर्व में किन्हीं भर्ती प्रक्रियाओं के संबंध में, विज्ञापन जारी किया जा चुका है तथा जो किसी भी चरण में लंबित हैं, वे उसी विधि एवं नियमों के अनुसार जारी रहेंगी और पूर्ण की जाएँगी, जो ऐसे विज्ञापन के जारी होने की तारीख को प्रभावी थे।
- (3)** मण्डल के माध्यम से पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तें, संबंधित सेवा नियमों अथवा उन पदों पर लागू आदेशों के अनुसार ही शासित होती रहेंगी।
- सद्भावनापूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण.**
- अन्य विधियों पर अधिनियम का अधिभावी होना.**
- व्यावृत्ति.**

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 15 अप्रैल 2026

क्रमांक 799/डी. 53/21-अ/प्रारू./छ.ग./26.— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026 (क्रमांक 5 सन् 2026) का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
चन्द्र कुमार कश्यप, अतिरिक्त सचिव.

CHHATTISGARH ACT

(No 5 of 2026)

THE CHHATTISGARH STAFF SELECTION BOARD ACT, 2026.

INDEX

Section

CHAPTER-I

PRELIMINARY

1. Short title, extent and commencement.
2. Definitions.

CHAPTER-II

PURPOSE AND OBJECT

3. Object.

CHAPTER-III

ESTABLISHMENT AND CONSTITUTION OF THE BOARD

4. Establishment of the Board.
5. Constitution of the Board.
6. Appointment, Tenure and Functions of Secretary of the Board.
7. Officers and Employees of the Board.

CHAPTER-IV

POWERS AND FUNCTIONS OF THE BOARD

8. Powers and Functions of the Board.
9. Powers and Duties of the Chairperson.
10. Constitution of Committees.
11. Exercise of delegated powers by Committees.

CHAPTER-V
FINANCE, ACCOUNTS AND AUDIT

- 12. Constitution of the Board Fund.
- 13. Custody, appropriation and use of the Board Fund.
- 14. Budget.
- 15. Audit of Accounts of the Board.

CHAPTER-VI
STATE GOVERNMENT

- 16. Powers of the State Government.

CHAPTER-VII
MISCELLANEOUS

- 17. Proceedings not invalidated by vacancies.
- 18. Power of the Board to make Regulations.
- 19. Power to remove difficulties.
- 20. Protection of action taken in good faith.
- 21. Act to override other laws.
- 22. Savings.

CHHATTISGARH ACT

(No. 5 of 2026)

THE CHHATTISGARH STAFF SELECTION BOARD ACT, 2026.

An Act to provide for the constitution of the Chhattisgarh Staff Selection Board for bringing uniformity in the selection process of candidates for Technical and Non-Technical Class-III and Class-IV posts, other exams, professional courses, entrance exams and the matters connected therewith or incidental thereto.

Be it enacted by the Chhattisgarh Legislature in Seventy seventh year of the Republic of India, as follows:-

CHAPTER-I**PRELIMINARY**

1. (1) This Act may be called the Chhattisgarh Staff Selection Board Act, 2026.

**Short title,
extent and
commencement.**

- (2) It extends to the whole State of Chhattisgarh.

- (3) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. In this Act, unless the context otherwise requires,—

Definitions.

- (a) “Appointing Authority” means the authority empowered to make appointments under existing laws, service rules or executive orders.
- (b) “Board” means the Chhattisgarh Staff Selection Board established under Section 4.
- (c) “Chairperson” means the person appointed as Chairperson of the

Board under clause (a) of sub-section (2) of Section 5 of this Act.

- (d) "Class-III Post" means posts with such qualifications notified as Class-III by the State Government.
- (e) "Class-IV Post" means posts with such qualifications notified as Class-IV by the State Government.
- (f) "Combined selection process" means selection process for a Class-III or a Class-IV post for more than one department.
- (g) "Department" means a administrative Department under the Government of Chhattisgarh.
- (h) "Employee" means staff appointed to assist the Board.
- (i) "Government" means the Government of Chhattisgarh.
- (j) "Governor" means the Governor of Chhattisgarh.
- (k) "Member" means the person appointed as Member of the Board under clause (b) of sub-section (2) of Section 5 of this Act.
- (l) "Other Backward Classes" means such classes as specified by the State Government vide Notification No. F-85-XXV-4-84, dated 26thDecember, 1984 as amended from time to time.
- (m) "Prescribed" means prescribed by Rules made under this Act.
- (n) "Recruitment Rules" means rules made under the proviso to Article 309 of the Constitution regulating recruitment.
- (o) "Regulation" means regulations made by the Board under this Act.
- (p) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the same meaning as under Articles 341 and 342 of the

Constitution of India.

CHAPTER-II

PURPOSE AND OBJECT

3. (1) The provisions of this Act shall apply to selection process for direct recruitment to all Class-III and Class-IV posts notified under clause (d) and (e) of Section 2 for all departments of the State Government, including Statutory Bodies, Boards, Authorities, or any other institution as the State Government may notify from time to time.
- (2) The Board shall undertake selection process including examination, interviews, skill test or any other process for recruitment to Class III and Class IV posts and conduct examination for entrance to professional courses, acquisition of professional qualification and any other examinations as may be notified by the State Government from time to time.
- (3) The Government may prescribe the combined selection process for recruitment to any Class-III or Class-IV post for such departments.
- (4) The Government may notify qualifications for Class III and Class IV post for combined selection process, and upon such notification the recruitment rules for such Class III and Class IV posts shall be deemed to have been amended accordingly.

Object.

CHAPTER-III

ESTABLISHMENT AND CONSTITUTION OF THE BOARD

- | | |
|---|---|
| <p>4. The Government shall, by notification, establish a Board to be called the Chhattisgarh Staff Selection Board from such date as may be specified in the notification.</p> | <p>Establishment of the Board.</p> |
| <p>5. (1) The Government shall, by notification, constitute the Board established under Section 4 to exercise the powers and perform the functions entrusted under this Act.</p> <p>(2) The Board shall consist of—</p> <p style="padding-left: 40px;">(a) A Chairperson, who shall be an officer of the Government of Chhattisgarh not below the rank of Principal Secretary to the Government; and</p> <p style="padding-left: 40px;">(b) Not more than three Members, who shall be officers of the Government of Chhattisgarh serving in the pay scale Joint Secretary to the Government.</p> <p>(3) The Chairperson and the Members shall be appointed by the State Government in such manner as may be prescribed.</p> | <p>Constitution of the Board.</p> |
| <p>6. (1) The State Government shall appoint an officer of the Government of Chhattisgarh serving in the pay scale not below the pay scale of Deputy Secretary to the Government to be the Secretary of the Board.</p> <p>(2) The Secretary shall —</p> | <p>Appointment, Tenure and Functions Secretary of the Board.</p> |

- (a) be the Chief Administrative Officer of the Board;
- (b) convene meetings of the Board under the directions of the Chairperson;
- (c) prepare agenda notes and record the minutes of proceedings;
- (d) monitor the orders and decisions of the Board;
- (e) perform such other functions as may be assigned to him by the Board; and
- (f) ensure that all funds of the Board are expended only for the purposes for which they have been sanctioned or allocated.

7. (1) The Board shall have an Exam Controller and such number of officers and employees as may be determined by the Government.
- (2) The Exam Controller shall be subject to the general superintendence and control of the Chairperson, perform such duty as may be assigned to him by the Board.
- (3) The Exam Controller shall exercise such other powers and perform such other functions as may be prescribed by the regulations.
- (4) All officers and employees serving in or under the control of the existing Chhattisgarh Professional Examination Board shall be deemed to be officers and employees of the Chhattisgarh Staff Selection Board.

**Officers and
Employees of
the Board.**

CHAPTER-IV

POWERS AND FUNCTIONS OF THE BOARD

8. (1) Notwithstanding anything contained in any other law for the time being in force and subject to the provisions of this Act-

Powers and Functions of the Board.

- (a) The Board shall discharge the duties assigned to the Board in sub-section (2) of Section 3 of this Act.
 - (b) The Board may entrust the conduct of entire or any part of the selection process, to any agency recommended by the Board, in accordance with the regulations made under this Act.
- (2) The Board may call for any record, report, or information from any appointing authority or department which, in the opinion of the Board, is necessary for the efficient discharge of its functions, and the concerned appointing authority or department shall furnish the same to the Board expeditiously.
- (3) The procedure for transaction of the business of the Board shall be such as may be prescribed by regulations, consistent with the provisions of this Act and the rules made thereunder.

Provided that the regulations in force immediately before the commencement of this Act in the Chhattisgarh Professional Examination Board shall, in so far as they are not inconsistent with the provisions of this Act, be deemed to be the regulations of the Board until they are modified, amended or replaced by regulations made under this Act.

- (4) The Board shall have overall supervision, direction, and control over all officers and employees of the Board.
 - (5) The Board shall have overall supervision, direction, and control over all personnels engaged in the examination process.
9. (1) The duty of the Chairperson shall be to ensure compliance with the provisions and regulations made under this Act.
- (2) The Chairperson shall exercise such other powers and perform such other functions as may be vested in him through the regulations.
- (3) The Chairperson may, by order, delegate to the Exam Controller any of the powers or duties conferred or imposed upon him under this Act.
10. (1) The Board may constitute such committees, consisting of its Members, officers, and other persons, as may be prescribed by regulations, to assist and advise the Board in discharge of their functions, and shall specifically constitute the following committees—
- (a) Syllabus Committee;
 - (b) Examination Committee;
 - (c) Finance Committee;
 - (d) Executive Committee,
11. (1) Where any power conferred upon the Board under the Act has been delegated by regulations to a committee constituted under Section 10, such committee shall exercise such powers in accordance with the provisions of this Act.

**Powers and
Duties of the
Chairperson.**

**Constitution of
Committees.**

**Exercise of
Delegated
Powers by
Committees.**

- (2) The Board may, review any matter falling within the scope of such delegated power and, before taking any decision thereon, shall obtain and consider the report of the concerned committee.

Provided that where, in the opinion of the Board, immediate action is necessary in respect of any such matter, the Board may, without obtaining the report of the committee, take action and pass such orders thereon as it deems necessary.

CHAPTER-V

FINANCE, ACCOUNTS AND AUDIT

12. A fund called the Board Fund shall be constituted for the Board, and all the money received by or on behalf of the Board under this Act or otherwise shall be credited thereto.

Constitution of the Board Fund.

13. (1) The Government shall provide the Board with such funds as required to meet expenditure relating to office expenses, salaries and allowances of officers and employees, and expenses incurred while conducting the recruitment process.
- (2) The Secretary of the Board shall be the Drawing and Disbursing Officer.
- (3) All money credited to the Board Fund shall be deposited in such bank as may be determined by the Board:
- (4) The Board may utilize the Board Fund as may be prescribed by rules made under this Act.

Custody, Appropriation and Use of the Board Fund.

14. (1) The Board shall prepare in each Financial

Budget.

Year a budget showing the estimated receipts and expenditure of the Board for the ensuing Financial Year.

15. The accounts of the Board shall be audited annually in the manner as may be prescribed.

**Audit of
Accounts of the
Board.**

CHAPTER-VI STATE GOVERNMENT

16. (1) The State Government may from time to time issue such directions as it may deem necessary or expedient for the proper implementation of the provisions and objectives of this Act, and the Board shall comply with such directions.
- (2) The Government may make rules for carrying out the purposes of this Act.
- (3) Without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters:-

**Powers of the
State
Government.**

(a) Manner in which selection process including combined selection process shall be undertaken with reference to sub-section (3) of Section 3.

(b) The manner in which Audit of the Board shall be conducted under Section 15.

(c) Any other matter which the Government considers necessary.

- (4) All the rules made under this Act shall, be laid before the Legislative Assembly of the State as soon as it may be so possible.

CHAPTER-VII

MISCELLANEOUS

- | | | |
|-----|--|---|
| 17. | No act or proceeding of the Board, or any Committee constituted under Section 10 shall be invalid merely by reason of any vacancy in the office of the Chairperson or any other member. | Proceedings Not Invalidated by Vacancies. |
| 18. | <p>(1) The Board may, for carrying out the purposes of this Act, make regulations consistent with the provisions of this Act and the rules made thereunder.</p> <p>(2) Without prejudice to the generality of the foregoing power, the Board may make regulations in respect of all or any of the following matters, namely:-</p> <p>(a) conduct of examinations.</p> <p>(b) fees for examinations conducted by the Board.</p> <p>(c) publication of results of examinations conducted by the Board.</p> <p>(d) issuance of mark-sheets, certificates, etc., to candidates appearing in examinations conducted by the Board.</p> <p>(e) to take necessary action in cases where candidates adopt unfair means or cause disruption in examinations conducted by the Board.</p> <p>(f) appointment of experts, officers, and employees for various activities, determination of their duties and powers, and termination of their appointments.</p> <p>(g) determination of honorarium or remuneration payable to persons referred</p> | <p>Power of the Board to Make Regulations.</p> |

to in clause (f).

(h) determination of standards and expenditure for examinations and related activities.

(i) to prepare statistics relating to examinations conducted by the Board.

(j) appointment of officers, clerks, and other employees of the Board and their service conditions.

(k) control, administration, custody, and management of all financial matters of the Board.

(l) to conduct skill assessments and issue certificates in specified trades on the directions of the State Government.

(m) all matters which are prescribed by this Act or by regulations.

19. If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the General Administration Department may, by order, take such measures to remove the difficulty, provided that such measures are not inconsistent with the provisions of this Act.

**Power to
Remove
Difficulties.**

Provided that no such order shall be made after the expiry of a period of two years from the commencement of this Act.

20. No suit, prosecution, or other legal proceeding shall lie against the State Government, the Chairperson or members of the Board, or any officer or employee appointed under this Act, in respect of

**Protection of
Action Taken in
Good Faith.**

anything which is done or intended to be done in good faith in pursuance of this Act or of any rules or orders made thereunder, if the State Government is satisfied.

21. The provisions of this Act shall have overriding effect notwithstanding anything inconsistent therewith contained in any other Law for the time being in force in the State.

**Act to Override
Other Laws.**

22. (1) Upon the commencement of this Act, the existing Chhattisgarh Professional Examination Board in existence immediately before such commencement shall be deemed to have been merged into the Chhattisgarh Staff Selection Board and shall cease to exist as a separate entity; and accordingly, all assets and liabilities of the said Board shall vest in the Chhattisgarh Staff Selection Board.

Savings.

- (2) Notwithstanding anything contained in this Act, any recruitment process in respect of which an advertisement has been issued before the commencement of this Act, and which is pending at any stage, shall be continued and completed in accordance with the provisions of law and the rules in force on the date of issuance of such advertisement.
- (3) The service conditions of persons appointed to posts through the Board shall continue to be governed by the relevant service rules or orders applicable to such posts.